सर्विस-मैन्यूफैक्चरिंग में वृद्धि का असर, बढ़ने लगे रोजगार

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : चालू वित्त वर्ष 2022-23 के पहले महीने में निर्यात से लेकर सर्विस और मैन्यूफैक्चरिंग के बेहतर प्रदर्शन का असर रोजगार सृजन पर दिखने लगा है। पहली तिमाही यानी अप्रैल-जून में देश में विभिन्न सेक्टर की 54 प्रतिशत कंपनियां नई भर्ती कर सकती हैं जो पिछली छह तिमाही में सबसे अधिक है। नई भर्तियों के रुख में लगातार मजबूती दिखाई दे रही है। इस साल जनवरी-मार्च में 50 प्रतिशत तो पिछले साल अक्टूबर-दिसंबर में 41 प्रतिशत कंपनियों ने नई भर्ती का इरादा जाहिर किया था।

इस बात की जानकारी टीमलीज की हालिया रिपोर्ट में दी गई है। दूसरी तरफ, शुक्रवार को जारी नौकरी जाब स्पिक्स की रिपोर्ट के मुताबिक सर्विस सेक्टर से जुड़े ट्रैवल व हास्पिटलिटी में पिछले साल अप्रैल के मुकाबले इस साल अप्रैल में 169 प्रतिशत अधिक रोजगार दिए गए जबकि रिटेल सेक्टर की नई भर्तियों में 112 प्रतिशत की वृद्धि हुई। शिक्षा से जुड़े सेक्टर की नई नौकरियों में अप्रैल महीने में 108 प्रतिशत, इंश्योरेंस सेक्टर में 89 प्रतिशत तो रियल एस्टेट सेक्टर में 83 प्रतिशत का इजाफा रहा।

रिपोर्ट के मुताबिक चालू तिमाही में नौकरी देने के मामले में भारत दुनिया के अन्य हिस्सों से काफी आगे दिख रहा है।

भारत में जहां इस अवधि में 54 प्रतिशत कंपनियां नए लोगों को रोजगार देने का मन बना रही हैं, वहीं अमेरिका में सिर्फ 33 प्रतिशत, यूरोप में 17 प्रतिशत, अफ्रीका में 13 प्रतिशत, मध्य पूर्व में 22 प्रतिशत तो एशिया पेसिफिक में 35 प्रतिशत कंपनियां चालू तिमाही में लोगों को नौकरी दे सकती हैं। चालू तिमाही में भारत में सबसे अधिक नई नौकरियों की संभावना मेट्रो और टियर वन शहरों में है जहां 83 प्रतिशत नियोक्ताओं ने नए रोजगार देने की इच्छा जाहिर की है। बेंगलुरु के 91 प्रतिशत नियोक्ता रोजगार देना चाहते हैं तो चेन्नई के 73 प्रतिशत। मुंबई, दिल्ली व हैदराबाद शहरों में भी 70 प्रतिशत कंपनियां चालू तिमाही में नई भर्ती करना चाहती हैं।

क्यों बढ़ रहे हैं रोजगार

इस साल अप्रैल में वस्तुओं के निर्यात में पिछले साल अप्रैल के मुकाबले 24 प्रतिशत की बढ़ोतरी रही। एसएंडपी ग्लोबल के मुताबिक अप्रैल में सर्विस परचेजिंग मैनेजर इंडेक्स (पीएमआइ) बढ़कर 57.9 हो गया। पिछले साल नवंबर के बाद सेवा सेक्टर का यह सबसे अच्छा प्रदर्शन है। अप्रैल में मैन्यूफैक्चरिंग पीएमआइ भी 54.7 रहा। यही वजह है कि रोजगार में बढ़ोतरी दिख रही है। विशेषज्ञों के मुताबिक महंगाई और वैश्विक स्तर पर उथल-पुथल के बावजूद

आइएमएफ के अनुमान के मुताबिक भारत चालू वित्त वर्ष 22-23 में सबसे तेज गति से विकास करने वाला देश होगा। इसलिए कंपनियां नई भर्ती पर जोर दे रही हैं।

54%
कंपनियां करेंगी नई भर्ती चालू तिमाही में, गत छह तिमाही में सबसे अधिक

95%
कंपनियां आइटी सेक्टर में कर सकती हैं नई भर्ती

- अप्रैल में ट्रैवल व हास्पिटलिटी सेक्टर के रोजगार में 169 प्रतिशत का इजाफा

अप्रैल-जून में किन सेक्टर में कितनी प्रतिशत कंपनियां करना चाहती हैं भर्ती

आइटी सेक्टर	95 प्रतिशत
शिक्षा सेवा	86 प्रतिशत
ई-कामर्स व टेक्नोलाजी स्टार्टअप	81 प्रतिशत
हेल्थकेयर व फार्मा	78 प्रतिशत
दूरसंचार	75 प्रतिशत
एफएमसीजी	68 प्रतिशत
रिटेल	67 प्रतिशत
केपीओ	66 प्रतिशत
लाजिस्टिक	63 प्रतिशत
वित्तीय सेवा	59 प्रतिशत
एनर्जी	56 प्रतिशत
मैन्यूफैक्चरिंग	50 प्रतिशत

स्रोत : टीमलीज

Scanned with CamScanner